



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
'अभूत' उत्तरा	२५.३.२३	५	३-६

स्वयंसेवकों ने जुटाया साक्षरता का आंकड़ा

एचएयू के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की तरफ से गांव गंगवा में सात दिवसीय वार्षिक शिविर चल रहा है। शिविर में स्वयंसेवकों ने शुक्रवार को गांव गंगवा में ढोर दू डोर सर्वे कर साक्षरता का आंकड़ा जुटाया।

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की तरफ से गांव गंगवा में सात दिवसीय वार्षिक शिविर चल रहा है। शिविर में स्वयंसेवकों ने शुक्रवार को गांव गंगवा में ढोर दू डोर सर्वे कर साक्षरता का आंकड़ा जुटाया।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल दीशडा व मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. नीरज कुमार के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। शिविर में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों को अधिकारी डॉ. तेजपाल दहिया के नेतृत्व में



गंगवा गांव में साक्षरता सर्वे की जानकारी जुटाते स्वयंसेवक। संकट

व पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अधिकारी डॉ. नीरज कुमार ने स्वयंसेवकों को प्रमदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेजपाल दहिया के नेतृत्व में

शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया। आफिसर इचार्ज डॉ. रघना गुलाटी व वैज्ञानिक डॉ. धर्मबीर सिंह की देखरेख में विभिन्न गतिविधियों करवाई गई।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऐनिक जागरूक	२५. ३. २३	॥	७-९

स्वयंसेवकों ने डोर टू डोर सर्वे कर जुटाया साक्षरता का आंकड़ा

दिसार (निय) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मरम्य विभाग साक्षरता की राष्ट्रीय रेता योजना ईकाई द्वारा गांव बंजरा में सात दिवसीय वार्षिक शिक्षिक के दौरान डोर टू डोर सर्वे कर साक्षरता का आंकड़ा जूटवा और टैनिक जीवन में ऐसा, योग्य को उपनाम व पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया। अधिकारी डॉ नीरज कुमार ने स्वयंसेवकों को अमलान करने के लिए प्रोत्यक्षित शिखा। पर्यावरण कर्तव्यम् अधिकारी डॉ तेजपाल देहिया के नेतृत्व में इन्हिन में स्वयंसेवकों ने बोम्बायास किया। जिसमें उन्होंने टैनिक टिनरसा में योग्य करने के लिए प्रेरित किया। अधिकारी ईयाज डॉ रघुनाथ गुरुतारी व वैद्यकिक डॉ धर्मेश रिक्त की देखरेख में रिप्रिल गतिविधियों करवाई गई। स्वयंसेवकों ने गांव में डोर टू डोर सर्वे कर नियमित रोजगार में जड़ी रहने वाले युवाओं का आंकड़े प्रकाशित किए, ताकि मजदूरों की साक्षरता का उल्लंघन पता लगजगा जा सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पटोंके सरो	२५. ३. २३	३	७-४

जल संरक्षण समय की जरूरत : डॉ. जीतराम



संगोष्ठी में किसानों, छात्रों व वैज्ञानिकों को संबोधित करते अनुसंधान निदेशक डा. जीतराम शर्मा।

हिसार, 24 मार्च (ब्यूरो) : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सभ्य विज्ञान विभाग द्वारा जल दिवस पर मोटे अनाजों की खेती से जल एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया। इसमें छात्रों, किसानों व वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इस संगोष्ठी में मुख्यातिथि अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा भौजूद रहे। सभ्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय ठुकराल ने सभी का स्वागत किया।

मुख्यातिथि डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि मिरते भू-जल स्तर के मद्देनजर पानी को बचाना समय की मुद्दा जरूरत है। पानी बचाने की तकनीकों को बढ़ा स्तर पर किसानों तक पहुंचाने के लिए हक्कड़ी की ओर से भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मोटे अनाज की फसलों की खेती करके पानी की बचत होती है। इसलिए इनकी खेती को बढ़ावा देना चाहिए। साथ ही उन्होंने फसल विविधीकरण पर भी बोर दिया। डॉ. अनिल ठाका ने मोटे अनाज की फसलों के फायदे व उनको उपाने के बारे में जानकारी दी। डॉ. प्रवीण कुमार ने जल की महत्वता व संरक्षण के बारे में बताया। इस अवसर पर डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. सुरेंद्र यादव, डॉ. सोमवीर सहित अन्य वैज्ञानिक भी मीटूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऐनिक भास्कर	25.3.23	2	4

स्वयंसेवकों ने जाना दैनिक जीवन में योगा, पर्यावरण संरक्षण और ढोलों का महत्व

सिटी रिपोर्टर • चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की गण्डीय सेवा योजना ईकाई का गांव गंगवा में सात दिवसीय वार्षिक शिविर जारी रहा। यह शिविर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढीगड़ा व मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. नीरज कुमार के मार्गदर्शन में चला जा रहा है। शिविर में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों को दैनिक जीवन में खेल, योग को अपनाने व पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
गैरिजन भास्कर	२५-३-२३	२	५-६

जल संरक्षण समय की जरूरत: डॉ. शर्मा

भास्कर न्यूज | हिसार



हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सम्युक्त विभाग द्वारा विश्व जल दिवस पर मोटे अनाजों की खेती से जल एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें छात्रों, किसानों व वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इस संगोष्ठी में मुख्यालिखि अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा मौजूद रहे। सम्युक्त विभाग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय ठकराल ने सभी का स्वागत किया।

मुख्यालिखि डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि पिस्ते भू-जल स्तर के महेनजर पानी को बचाना समय की मुख्य जरूरत है। पानी बचाने की तकनीकों को बढ़े स्तर पर किसानों तक पहुंचाने के लिए हक्कियां की ओर से भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मोटे अनाज की फसलों

की खेती करके पानी की बचत होती है। इसलिए इनकी खेती को बढ़ावा देना चाहिए। साथ ही उन्होंने फसल विविधीकरण पर भी जोर दिया। डॉ. संजय ठकराल ने बताया कि जल एक प्राकृतिक संसाधन है। इसलिए इसको बचाना सभी की जिम्मेदारी है। मोटे अनाज अर्थात् ज्वार, बाजरा, रागी, कांगनी, कुटकी, चैना एवं सावा को कम उपजाऊ भूमि व कम पानी में भी उगाया जा सकता है। डॉ. अनिल ढाका ने मोटे अनाज की फसलों के फायदे व उनको उगाने के बारे में जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उज्जीत समाचार	२५.३.२३	६	६-८

स्वयं सेवकों ने जना दैनिक जीवन में योग व खेलों का महत्व

हिसार, 24 मार्च (विसेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा गांव गंगा में सात टिक्कीय वार्षिक शिविर आयी है। यह शिविर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल लींगमा व मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिपाता डॉ. नीरज कुमार के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। शिविर में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों को दैनिक जीवन में खेल, योग को अपनाने व पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अधिपाता डॉ. नीरज कुमार ने स्वयंसेवकों को श्रमदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेजपाल दहिया के नेतृत्व में शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया, जिसमें उनको दैनिक दिनचर्या में योग करने के लिए प्रेरित किया। ऑफिसर इंचार्ज डॉ. रघुनाथ गुलाटी व वैज्ञानिक डॉ. धर्मशीर सिंह की देखरेख में विभिन्न गतिविधियां करवाई गईं। इसके अलावा एकल



डोर दू डोर सर्वे करते हुए स्वयं सेवक।

गांव के प्रतियोगिता भी करवाई गई, जिसमें स्वयंसेवकों ने बहु-चक्रकर भाग लिया। तीसरे दिन स्वयंसेवकों ने गांव में डोर दू डोर सर्वे कर नियमित रोजगार में नहीं रहने वाले युवाओं का आंकड़े एकत्रित किए। ताकि गांवों की साक्षरता का अनुपात पता लगाया जा सके, जिसके बाद नृत्य व गायन प्रतियोगिता भी करवाई गई। शिविर के दौरे दिन खेलकूद प्रतियोगिता करवाई गई, जिसमें क्रिकेट मैच में

पहले, दूसरे व तीसरे वर्ष के छात्रों ने भाग लिया। इस मैच की विजेता टीम तीसरे वर्ष के छात्र रहे, जबकि रनरअप द्वितीय वर्ष के छात्र रहे। इसके अलावा भाषण प्रतियोगिता भी करवाई गई, जिसमें स्वयंसेवकों ने एनएसएस, बालावरण संरक्षण व ड्रग एन्यूज विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। साथ ही बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण और नशे के सेवन से दूर रहने के लिए जागरूक किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘ज्ञान सभापत्र’	25-3-23	6	1-2

जल संरक्षण समय की ज़रूरत : डॉ. शर्मा

हिसार, 24 मार्च (बिरेन्द्र शर्मा): हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सम्बिन्दा विभाग द्वारा विश्व जल दिवस पर मोटे अनाजों की खेती से जल एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें छात्रों, विद्यार्थियों और वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इस संगोष्ठी में मुख्यातिथि अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा भौजूद रहे। सम्बिन्दा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय ठकराल ने सभी का स्वागत किया। मुख्यातिथि डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि जल स्तर के महेनजा पानी को बचाना समय की मुख्य ज़रूरत है। पानी बचाने की तकनीकों को बढ़े स्तर पर फिरानों तक पहुंचाने के लिए लक्ष्यित की ओर से भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मोटे अनाज की फसलों की खेती करके पानी की बचत होती है। इसलिए इनकी खेती को बढ़ावा देना चाहिए। साथ ही उन्होंने फसल विविधीकरण पर भी जोर दिया। डॉ. संजय ठकराल ने बताया कि जल एक प्राकृतिक संसाधन है। इसलिए इसको बचाना सभी की जिम्मेदारी है। मोटे अनाज अर्थात् ज्ञार, बाजरा, गोमी, कांगनी, सभी की जिम्मेदारी है। डॉ. अनिल दाका ने मोटे अनाज की फसलों के फायदे व उनको द्यान के बारे में जानकारी दी। डॉ. प्रवीण कुमार ने जल की महत्वता व संरक्षण के बारे में बताया। संगोष्ठी के दौरान डॉ. बिरेन्द्र सिंह हुड्डा द्वारा लिखे हुए मोटे अनाज से टिकाऊ खेती और बचा ले जल बचा ले कल नामक गीरों को सुनाया, जिसके लिए उन्हें सम्मानित भी किया। जबलपुर के भारतीय खरपतवार अनुसंधान संस्थान के सरलेख में डॉ. टोडमल द्वारा आयोजित दो दिवसीय स्ट्रेटफ़ोर्म प्रशिक्षण का समापन भी किया। इस अवसर पर डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. सुरेन्द्र यादव, डॉ. सोमवीर महित अन्य वैज्ञानिक भी मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	25.03.2023	-----	-----

स्वयंसेवकों ने जाना दैनिक जीवन में योगा व खेलों का महत्व

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा गांव गंगवा में सात दिवसीय वार्षिक शिविर जारी है। यह शिविर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा व मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। शिविर में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों को दैनिक जीवन में खेल, योगा को अपनाने व पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने स्वयंसेवकों को श्रमदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेजपाल दहिया के नेतृत्व में

शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया, जिसमें उनको दैनिक दिनचर्या में योगा करने के लिए प्रेरित किया। ऑफिसर इंचार्ज डॉ. रचना गुलाटी



व वैज्ञानिक डॉ. धर्मबीर सिंह की देखरेख में विभिन्न गतिविधियां करवाई गई। इसके अलावा एकल गायन प्रतियोगिता भी करवाई गई, जिसमें स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

तीसरे दिन स्वयंसेवकों ने गांव में डोर टू डोर सर्वे कर नियमित रोजगार में नहीं रहने वाले युवाओं का आंकड़े एकत्रित किए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘उज्ज्वल’ समाचार	25.03.2023	-----	-----

स्वयंसेवकों ने जाना दैनिक जीवन में योगा व खेलों का महत्व

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा गांव गंगवा में सात दिवसीय वार्षिक शिविर जारी है। यह शिविर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा व मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। शिविर में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों को दैनिक जीवन में खेल, योगा को अपनाने व पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने स्वयंसेवकों को श्रमदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेजपाल दहिया के नेतृत्व में शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया, जिसमें उनको दैनिक दिनचर्या में योगा करने के लिए प्रेरित किया। ऑफिसर इंचार्ज डॉ. रचना गुलाटी व वैज्ञानिक डॉ. धर्मबीर सिंह की देखरेख में विभिन्न गतिविधियां करवाई गई। इसके अलावा एकल गायन प्रतियोगिता भी करवाई गई, जिसमें स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। तीसरे दिन स्वयंसेवकों ने गांव में डोर टू डोर सर्वे कर नियमित रोजगार में नहीं रहने वाले युवाओं का आंकड़े एकत्रित किए। ताकि गांवों की साक्षरता का अनुपात पता लगाया जा सके, जिसके बाद नृत्य व गायन प्रतियोगिता भी करवाई गई। शिविर के चौथे दिन खेलकूद प्रतियोगिता करवाई गई, जिसमें क्रिकेट मैच में पहले, दूसरे व तीसरे वर्ष के छात्रों ने भाग लिया। इस मैच की विजेता टीम तीसरे वर्ष के छात्र रहे, जबकि रनरअप द्वितीय वर्ष के छात्र रहे। इसके अलावा भाषण प्रतियोगिता भी करवाई गई, जिसमें स्वयंसेवकों ने एनएसएस, वातावरण संरक्षण व झग एव्यूज विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। साथ ही वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण और नशे के सेवन से दूर रहने के लिए जागरूक किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
स्टी पल्स	24.03.2023	-----	-----

संगोष्ठी में वैज्ञानिकों ने मोटे अनाज वाली फसलों के महत्व बताए

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा विश्व जल दिवस पर मोटे अनाजों की खेती से जल एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें छात्रों, किसानों व वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इस संगोष्ठी में मुख्यातिथि अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मौजूद रहे।

मुख्यातिथि ने बताया कि गिरते भू-जल स्तर के मद्देनजर पानी को बचाना समय की मुख्य जरूरत है। पानी बचाने की तकनीकों को बढ़े स्तर पर किसानों तक पहुंचाने के लिए हकूमि की ओर से भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मोटे अनाज की फसलों की खेती करके पानी की बचत होती है। इसलिए इनकी खेती को बढ़ावा देना चाहिए। साथ ही उन्होंने फसल विविधीकरण पर भी जोर दिया। डॉ. संजय ठकराल ने बताया कि जल एक प्राकृतिक संसाधन है। इसलिए इसको बचाना सभी की जिम्मेदारी है। मोटे अनाज अर्थात ज्वार, बाजरा, रागी, कांगनी, कुटकी, चैना एवं सावां को कम उपजाऊ भूमि व कम पानी में भी उगाया जा सकता है। डॉ. अनिल ढाका ने मोटे अनाज की फसलों के फायदे व उनको उगाने के बारे में जानकारी दी। डॉ. प्रवीण कुमार ने जल की महत्वता व संरक्षण के बारे में बताया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सैसीपैस	24.03.2023	-----	-----

स्वयंसेवकों ने जाना योगा व खेलों का महत्व

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा गांव गंगवा में सात दिवसीय वार्षिक शिविर जारी है। यह शिविर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा व मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। शिविर में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों को दैनिक जीवन में खेल, योगा को अपनाने व पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेजपाल दहिया के नेतृत्व में शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
पञ्चांश कैसरी

दिनांक
२५-३-२३

पृष्ठ संख्या
५

कॉलम
५-६



डोर-टू-डोर सर्वे करते स्वयंसेवक।

स्वयंसेवकों ने गंगवा में डोर-टू-डोर सर्वे कर जुटाया साक्षरता का आंकड़ा

हिसार, 24 मार्च (अूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय को राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा गांव गंगवा में 7 टिक्कासीय वार्षिक शिविर जारी है। यह शिविर छात्र कल्याण निदेशक डॉ अनुल हीणाथ व मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. नीरज कुमार के भागीदारी में चलाया जा रहा है। शिविर में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों को दैनिक जीवन में खेल, योगा को अपनाने व पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

अधिकारी डॉ. नीरज कुमार ने स्वयंसेवकों को श्रमदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेजपाल दौहिया के नेतृत्व में शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों

ने योगाभ्यास किया, जिसमें उनको दैनिक दिनवधी में योग करने के लिए प्रेरित किया।

ऑफिसर इंचार्ज डॉ. रचना गुलाटी व वैज्ञानिक ही, धर्मबीर सिंह की देखरेख में विभिन्न गतिविधियों करवाई गई।

तीसरे दिन स्वयंसेवकों ने गांव में डोर-टू-डोर सर्वे कर नियमित रोबगार में नहीं रहने वाले युवाओं का आंकड़े एकत्रित किए, ताकि योविंग की साक्षरता का अनुपात पता लगाया जा सके, जिसके बाद नृत्य व गायन प्रतियोगिता भी करवाई गई। शिविर के चौथे दिन खेलकूद प्रतियोगिता करवाई गई, जिसमें क्रिकेट मैच में यहांले, दूसरे व तीसरे वर्ष के छात्रों ने भाग लिया। इस मैच की विजेता टीम तीसरे वर्ष के छात्र रहे, जबकि दूसरे दिन द्वितीय वर्ष के छात्र रहे।